



CHHATTISGARH ENVIRONMENT CONSERVATION BOARD
Paryavas Bhawan, North Block, Sector - 19,
Nava Raipur, Atal Nagar, Raipur (C.G.)
Email address – hocceb@gmail.com

No. 5205/H.O./Tech./CECB/2019
To,

Raipur, Date 20/9 /2019

✓ Registrar General,
National Green Tribunal,
Faridkot House,
Copernicus Marg, New Delhi-110001

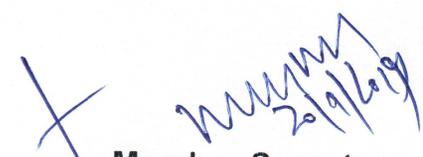
Sub:- Compliance of the direction issued by Hon'ble NGT in O.A. No. 694/2019 Shrikant Vs.State of Chhattisgarh.

Ref: - Hon'ble NGT order dated 20.08.2019 in O.A. No. 694/2019 Shrikant Vs.State of Chhattisgarh.

----00----

In compliance to above referred direction, please find enclosed herewith the report by Regional Officer, CECB Raipur for necessary action.

Encl: As above.


Member Secretary
C.G. Environment Conservation Board
Atal Nagar, Raipur (C.G.)



क्षेत्रीय कार्यालय

छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मण्डल

कबीर नगर व्यवसायिक परिसर, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल कॉलोनी,
कबीर नगर, रायपुर (छ.ग.)

2329

क्रमांक /क्षेका/तक./छ.प.सं.मं/2019

रायपुर दिनांक 20/9/2019

प्रति,

सदस्य सचिव,

छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,

मंडल मुख्यालय, नवा रायपुर अटल नगर, (छ.ग.)

विषय:- मंडल मुख्यालय द्वारा ई-मेल दिनांक 29.08.2019 के माध्यम से मेसर्स द मेटालिक एलॉयज, प्लॉट नं-29, इण्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर, सिलतरा फेस-II, रायपुर (छ.ग.) के संदर्भ में माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल प्रीसिपल बैंच, नई दिल्ली द्वारा ओरिजीनल एप्लीकेशन नंबर 644/2019, सुधीर विरुद्ध स्टेट ऑफ छत्तीसगढ़ के संबंध में पारित आदेश दिनांक 20.08.2019 एवं मंडल मुख्यालय द्वारा ई-मेल दिनांक 18.09.2019 तथा 19.09.2019 के माध्यम से मेसर्स द मेटालिक एलॉयज, प्लॉट नं-29, इण्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर, सिलतरा फेस-II, रायपुर (छ.ग.) के संदर्भ में माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल प्रीसिपल बैंच, नई दिल्ली द्वारा ओरिजीनल एप्लीकेशन नंबर 694/2019, श्री कांत विरुद्ध स्टेट ऑफ छत्तीसगढ़ के संबंध में पारित आदेश दिनांक 16.09.2019 में दिये गये निर्देश के परिपालन में वस्तुस्थिति की जानकारी प्रेषित करने बाबत।

- संदर्भ:- 1. मंडल मुख्यालय द्वारा प्रेषित ई-मेल दिनांक 29.08.2019.
2. मंडल मुख्यालय द्वारा प्रेषित ई-मेल दिनांक 19.09.2019.

महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्र क्रमांक 1 एवं 2 के माध्यम से मेसर्स द मेटालिक एलॉयज, प्लॉट नं-29, इण्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर, सिलतरा फेस-II, रायपुर (छ.ग.) के संदर्भ में प्राप्त माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल प्रीसिपल बैंच, नई दिल्ली द्वारा ओरिजीनल एप्लीकेशन नंबर 644/2019, सुधीर विरुद्ध स्टेट ऑफ छत्तीसगढ़ के संबंध में पारित आदेश दिनांक 20.08.2019 एवं मेसर्स द मेटालिक एलॉयज, प्लॉट नं-29, इण्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर, सिलतरा फेस-II, रायपुर (छ.ग.) के संदर्भ में प्राप्त माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल प्रीसिपल बैंच, नई दिल्ली द्वारा ओरिजीनल एप्लीकेशन नंबर 694/2019, श्री कांत विरुद्ध स्टेट ऑफ छत्तीसगढ़ के संबंध में पारित आदेश दिनांक 16.09.2019 में दिये गये निर्देश के परिपालन में इस कार्यालय के दल द्वारा मेसर्स द मेटालिक एलॉयज, प्लॉट नं-29, इण्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर, सिलतरा फेस-II, रायपुर (छ.ग.) का निरीक्षण दिनांक 19.09.2019 को किया गया। निरीक्षण प्रतिवेदन पत्र के साथ संलग्न है, जिसमें उद्योग के संबंध में वस्तुस्थिति की जानकारी का उल्लेख है। अतः प्रकरण कृपया अग्र आवश्यक कार्यवाही हेतु संप्रेषित है।

संलग्न :- उपरोक्तानुसार।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर (छ.ग.)

निरीक्षण-प्रतिवेदन

- 1 उद्योग का नाम एवं पता : मेसर्स द मेटालिक एलॉयज, प्लॉट नं-29, इण्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर, सिलतरा फेस-II, रायपुर (छ.ग.)
- 2 निरीक्षण दिनांक : 19.09.2019.
- 3 निरीक्षणकर्ता : पी.के. रबड़े, वैज्ञानिक
पी.सोनकर, सहायक अभियंता
संजय सिंह, प्र. शा. सहा. एवं
वाय. के. भाष्कर, प्र. शा. प.
- 4 निरीक्षण के समय उपस्थित उद्योग प्रतिनिधी : श्री अभिषेक अग्रवाल, जनरल मैनेजर
- 5 संदर्भ : मंडल मुख्यालय द्वारा ई-मेल दिनांक 29.08.2019 के माध्यम से मेसर्स द मेटालिक एलॉयज, प्लॉट नं-29, इण्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर, सिलतरा फेस-II, रायपुर (छ.ग.) के संदर्भ में मान्नीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल प्रीसिपल बेंच, नई दिल्ली द्वारा ओरिजीनल एप्लीकेशन नंबर 644/2019, सुधीर विरुद्ध स्टेट ऑफ छत्तीसगढ़ के संबंध में पारित आदेश दिनांक 20.08.2019 एवं मंडल मुख्यालय द्वारा ई-मेल दिनांक 18.09.2019 तथा 19.09.2019 के माध्यम से मेसर्स द मेटालिक एलॉयज, प्लॉट नं-29, इण्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर, सिलतरा फेस-II, रायपुर (छ.ग.) के संदर्भ में मान्नीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल प्रीसिपल बेंच, नई दिल्ली द्वारा ओरिजीनल एप्लीकेशन नंबर 694/2019, श्री कांत विरुद्ध स्टेट ऑफ छत्तीसगढ़ के संबंध में पारित आदेश दिनांक 16.09.2019 में दिये गये निर्देश के परिपालन में वस्तुस्थिति की जानकारी प्रेषित करने बाबत।
- 6 विवरण :-

उद्योग मेसर्स द मेटालिक एलॉयज, प्लॉट नं-29, इण्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर, सिलतरा फेस-II, रायपुर (छ.ग.) का निरीक्षण निर्देशानुसार दिनांक 19.09.2019 को किया गया। निरीक्षण के समय उद्योग प्रतिनिधी श्री अभिषेक अग्रवाल, जनरल मैनेजर उपस्थित थे।

उद्योग द्वारा जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम 1974 एवं वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम 1981 के प्रावधानों के तहत स्थापना सम्मति बाबत किये गये आवेदन के संदर्भ में छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर

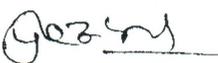
9-

द्वारा उद्योग को फेरो एलॉयज लो कार्बन - 8000 मी.टन/वर्ष हेतु स्थापना सम्मति पत्र क्रमांक 1108 दिनांक 19.05.2006 के माध्यम से जारी की गई थी। उद्योग द्वारा स्थापना सम्मति प्राप्त करने हेतु किये गये आवेदन (इस कार्यालय में प्राप्त दिनांक 08.11.2005) के साथ प्रेषित प्रोजेक्ट रिपोर्ट में submerge electric arc furnace की स्थापना का प्रस्ताव दिया गया था। उल्लेखनीय ई.आई.ए. 2006 दिनांक 14.09.2006 से प्रभावशील हुआ, अतः उद्योग को पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक नहीं था।

उद्योग द्वारा जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम 1974 एवं वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम 1981 के प्रावधानों के तहत जल एवं वायु संचालन सम्मति बाबत किये गये आवेदन के संदर्भ में छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर द्वारा उद्योग को लो कार्बन फेरो एलॉयज- 8000 मी.टन/वर्ष हेतु जल एवं वायु संचालन सम्मति क्रमशः पत्र क्रमांक 1231 एवं 1229 दिनांक 23.08.2011 के माध्यम से जारी की गई थी, उक्त जल एवं वायु सम्मति की नवीनीकरण वैधता दिनांक 31.01.2020 तक है।

तदनुसार उद्योग द्वारा एक नग submerge electric arc furnace की स्थापना की गयी है, जो कि विद्युत चलित है, जिसमें ईंधन के रूप में कोक का उपयोग नहीं किया जाता है। उपस्थित उद्योग प्रतिनिधि द्वारा कच्चे माल (Raw Material) के रूप में मैंगनीज ओर, कोक, डोलोमाइट एवं कार्बन पेस्ट का उपयोग किये जाने की जानकारी दी गयी। उद्योग परिसर में मैंगनीज ओर लगभग - 3000 टन, कोक लगभग - 300 टन, डोलोमाइट लगभग- 120 टन, कार्बन पेस्ट लगभग- 100 टन तथा फेरो मैंगनीज ऑक्साइड स्लैग लगभग- 800 टन भण्डारित पाया गया।

उद्योग द्वारा वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु हीट एक्सचेंजर के साथ बैग फिल्टर्स स्थापना की गयी है, तथा स्थापित चिमनी की ऊंचाई 30 मीटर है। निरीक्षण के समय उद्योग उत्पादनरत् नहीं पाया गया तथा उपस्थित उद्योग प्रतिनिधि द्वारा जानकारी दी गयी कि उद्योग को दिनांक 31.08.2019 से मेंटेनेंस हेतु शटडाउन में लिया गया है, पत्र की छायाप्रति संलग्नक-1 है, तथा उद्योग द्वारा अपने पत्र दिनांक 19.09.2019 के माध्यम से प्रेषित उत्पादन आंकड़े मय एक्साईज रिटर्न तथा इस कार्यालय के पत्र दिनांक 18.09.2019 के माध्यम से अन्य वांछित जानकारी का पत्र संलग्नक-2 अनुसार है। उक्तानुसार वस्तुस्थिति की जानकारी मय प्रतिवेदन कृपया अग्र आवश्यक कार्यावाही हेतु संप्रेषित है।


(प्र. शा. प.)


(प्र. शा. सहा.)


(सहा. अभि.)


(वैज्ञानिक)

PROJECT REPORT

For

**FERRO ALLOYS
(8000 MT/YEAR)**

PROMOTER:

THE METALLIC ALLOYS

**C-125, SECTOR-1, NEAR GURU MEDICOS,
DEVENDRA NAGAR, RAIPUR - 492 001 (C.G.)**

Introduction:

Iron and steel are the world's cheapest and most useful metals. These hard, durable metals are used in making thousands of products, from paper clips to automobiles. Machines made of iron and steel help produce almost everything we use, including our clothes, our homes, and even our food. Today, the production of iron and steel is one of the world's most vital industries. Throughout the world, millions of workers are employed in steel-manufacturing plants. Millions of additional workers provide machinery, raw materials, and energy to iron and steel companies or manufacture consumer products from iron and steel.

Kinds of iron and steel

The metals called iron and steel are alloys of the element iron. In general, steel is any alloy of the elements iron and carbon that contains less than 2 percent carbon. All types of steel also contain some manganese, and many kinds also include other elements. The properties of any kind of iron or steel depend largely on the chemical composition of the alloy. Heating and *working* (shaping) the metal can greatly change its physical properties.

There are thousands of kinds of iron and steel. But all types of iron can be classified as

- (1) Pig Iron
- (2) Cast Iron
- (3) Wrought Iron.

All kinds of steel can be grouped as

- (1) Carbon Steel
- (2) Alloy Steel
- (3) Stainless Steel
- (4) Tool Steel.

The world at present is having considerable reforms in regards to technology for steel manufacturing – its change & developments. The per capita consumption of steel is a prime criterion to gauge the socio-economic development and growth of any nation and consumption of Ferro Alloys is directly linked with the steel. Rather increased ratio of special steel in the total steel consumption has resulted in faster growth in the demand of Ferro Alloys. India has vast reserves of ferrous and non-ferrous minerals. The huge iron ore reserves in the country paves way for the growth of iron and steel industry which in turn helped the Ferro Alloys industry in India.

Ferrous metallurgy relies mainly on production of clean steel on the one hand and making steels of various strengths and characteristics and compositions of a variety of applications. Both the structure and properties of steel are governed by the principal elements present in steel particularly manganese, silicon etc. There are numerous categories of alloy steel and tool steels. These are basically identified from their distinct chemical composition. There are at least 15 types of Ferro Alloys that are commonly used in steel making. Of them, the three most commonly used Ferro Alloys are based on dominating chemical element of manganese, silica and chrome popularly called as Ferro Manganese, Silico-Manganese and Ferro Chrome. These are used in bulk quantity and are called bulk Ferro Alloys. It also offers a vast potential for export. Presently also, India is exporting Ferro Alloys product to many countries.

About Promoters:

The Metallic Alloys is a newly promoted firm having its registered office at BA/3A Ashok Vihar, Phase I, New Delhi. The partners of the firms are:-

1. Shri Mahesh Jhalani
2. Shri Om Jhalani.
3. Smt. Veena Jhalani.
4. Shri Pratul Jhalani.

The partners of the firm Shri Om Jhalani are operating a trading business of Ferro Alloys and are in this field for the last 30 years. They possess an excellent report and experience in the country and outside.

They have gained experience in commercial, financial and technical sectors too, which has brought them to this height. The partners never looked back since the start of business. Over the years, the partners have gained rich experience in successfully managing and running the business, which will give lot of support in implementing and running the proposed Ferro Alloy.

Product & its Uses and market

Ferro Alloys are used in metallurgical industries as an alloying element and as a deoxidizing agent. Manganese alloys are those in which the predominant constituent is manganese. The most important is Ferro Manganese, an alloy of iron and manganese containing about 80% of Manganese.

Ferro manganese is widely used in the manufacture of Tool Steels (upto 0.4% Mn) and Structural Steel (upto 0.6% Mn) and also of special steel with a high manganese content (upto 12 – 14% Mn), as well as an alloying addition. Metallic manganese is used in the manufacture of special steels low in iron, low carbon alloyed steels with a high manganese content, as well as in non-ferrous metallurgy.

In non-ferrous metals, it is added to improve strength, ductility and rollability in hot state. In manganese based non-ferrous alloy about 72% is Manganese and the balance is copper & nickel.

Various grades of Ferro Manganese such as high carbon, medium carbon & low carbon are used in steel manufacturing depending upon the end use requirements. For example, low carbon Ferro Manganese is required where carbon control in steel is strictly necessary.

Silico Manganese is used as a blocking agent to prevent the reaction of carbon and oxygen in steel. It is also used to increase Silico content in steel which gives extra strength to steel for industrial uses such as tool steel and spring steel.

The manganese content of various steels is roughly as follows: -

Carbon Steel	-	4.45 Kg / Ton of Steel
Low Alloy Steel	-	7.00 Kg / Tons of Steel
Fully alloy steels	-	4.05 Kg / Ton of Steel
Stainless Steel	-	1.70 Kg / Ton of Steels

DEMAND VS. SUPPLY

There is huge demand of Ferro Alloys by various integrated and mini steel plants. Apart from this, Ferro Alloys has a big export potential. The present capacity and targeted demand including the export figures are given here below: -

Production of Ferro Alloys

Products	(Qty. in MT)			
	2000-01	1999-00	1998-99	1997-98
Ferro Manganese (High Carbon)	169,269	127,455	162,715	159,164
Ferro Manganese (Medium Carbon)	342	7,461	488	903
Ferro Manganese (Low Carbon)	751	1,500	1,509	1,259
Silico Manganese	276,008	232,611	192,793	198,282
LC Ferro Silicon	0	0	0	2,185
Ferro Silicon	67,349	56,286	57,262	79,742
HC Ferro Chrome/charge Chrome	381,879	313,803	305,327	338,897
LC Ferro Chrome	460	1,947	1,947	5,467
Silico Chrome	0	0	0	311
Ferro Silico Magnesium	2,460	2,310	1,717	1,429
Total	898,518	741,426	723,758	787,639

Export Potential – Regional / Global

The export / import figures of the Ferro Alloys for last few years are given in the following tables: -

Export of Ferro Alloys

Products	(Qty. in MT)			
	2000-01	1999-00	1998-99	1997-98
Ferro Manganese (High Carbon)	5,723	200	15,766	991
Silico Manganese	86,798	63,708	54,022	56,192
Ferro Silicon	5,658	4,849	9,467	11,650
HC Ferro Chrome/charge Chrome	171,088	137,328	168,630	186,687
LC Ferro Chrome	0	0	0	0
Ferro Silico Magnesium	260	220	269	122
Total	269,527	206,305	248,754	259,003

Import of Ferro Alloys

(Qty in MT)

Ferro Alloys	1997-98	1996-97	1995-96	1994-95
HC Ferro Manganese	14,993	19,900	2,287	515
Silico Manganese	1,384	646	451	240
Ferro Silicon	14,112	17,900	22,510	9,828
HC Ferro Crone/Charge Chrome	12,951	7,781	11,894	5,744
Silicon Chrome	2,844	350	1,562	91
Ferro Silico Magnesium	226	254	273	181
Ferro Molybdenum	245	217	358	336
Ferro Vanadium	50	47	107	82
Other Ferro Alloys	2,803	49,674	1,270	798
TOTAL	49,608	49,674	40,712	17,815
Import Duty	20%	25%	30%	50%

PROJECT DETAILS:

Scope of the Project:-

The project envisages setting up of 8000 M.T/Year of low carbon Ferro Alloys at Siltara, phase II, Bilaspur Road, Raipur (C.G.). THE METALLIC ALLOYS future vision is to produce various types of mixed produce, which shall act as an import substitute saving valuable foreign exchange.

Site:-

The proposed project is proposed at Plot No. 29, Phase-H, Siltara Industrial Area, Raipur. The following factors, which influence the site selection, seems favorable to seek this site for the proposed unit.

- (a) Proximity to the source of major Raw Material
- (b) Proximity to the user industry
- (c) Scope for future expansion.
- (d) Proximity of national highway & transport
- (e) Environment aspects.

Plant Description: -

Raw Material Handling:

Main raw materials Manganese Ore, Coke, Dolomite and Hi-MnO Slag etc being purchased are first to prepare the required grain size for input. The raw material are calibrated by proper weighing machines and mixed at the required composition and charged into Sub-merge Electric Arc Furnace.

Raw material requirement for a period of one month:-

Raw Material

a)	Manganese one	1650 M.T.
b)	Coke	550 M.T.
c)	Dolomite	40 M.T.
d)	High – MnO Slag	150 M.T.
e)	Consumables Metal Scraps and Carbon Paste	L.S.

Process system:

Manufacturing Process of Ferro Alloys:

The Ferro Manganese and silico-Manganese is an alloy of Manganese and Iron with additions of Silicon, Carbon and several other various elements. The silicon manganese can be divided into various grades depending upon the carbon content in the alloy.

Manganese ore is the basic material having the major constituents of the alloy viz. iron and manganese. Different types of manganese ores are blended to achieve an appropriate manganese iron ratio used for the furnace charges. Coke is used as reductant and quartz as an addition agent. The raw materials are charged into a furnace where they are smelted by electric power supplied through three carbon electrodes. The alloy and the slag produced in the furnace are tapped at regular intervals. The specification of silicon manganese produced is conforming to Indian standards.

ELECTRODE PASTE, CASING, OXYGEN LANCE AND REFRACTORIES

The soderberg electrodes are formed in situ by charging electrode paste of suitable compressive strength, electrical conductivity, porosity and apparent density, into mild steel cylindrical shell provided with inner ribs for reinforcement. There is a continuous consumption of both electrode paste and casing sheets.

The other consumables of the process include oxygen lancing pipes and oxygen used for opening the furnace tap-holes, and the refractory for the lining of pans / runners used for alloy collection.

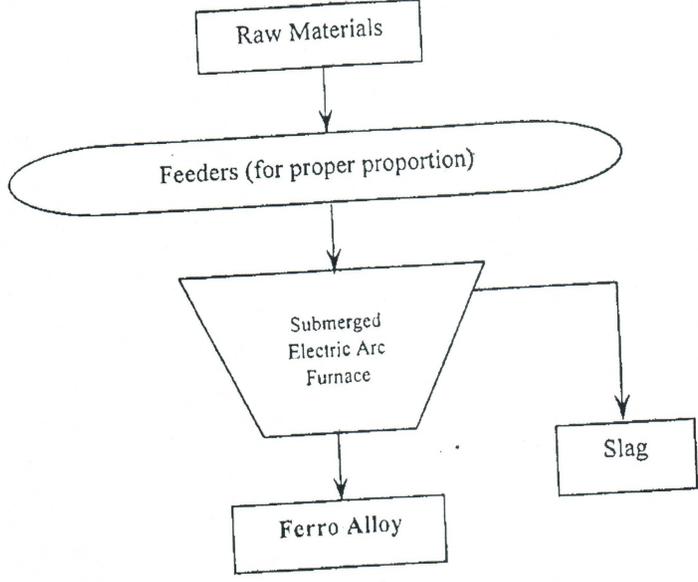
PROCESS DESCRIPTION: -

Standard Ferro Manganese is smelted at about 1700 – 1800 °C. This is achieved by a conventional Submerged Arc Electric Furnace. The three carbon electrodes, partially submerged in the charge, are supported on hydraulic cylinders for upward and downward movements to maintain the desired electrical conditions in the furnace.

The body of the furnace is cylindrical in shape, and is lined with firebricks, silicon carbide bricks and carbon tamping paste. Two tap-holes are provided at 120 Deg. apart for draining out both the molten alloy and the slag. During the repair works of one of the tap holes the other will function as standby. The raw materials are thoroughly mixed in the proper proportion before being charged into the furnace. Manual poking rods or stoker car are used for stoking the charge on the furnace top.

As the charge enters the smelting zone, the alloy formed by chemical reactions of the oxides and the reductant, being heavy gradually settles at the bottom. The slag produced by the unreduced metal oxides and the flux, being relatively lighter, floats on the alloys surface. At regular intervals the furnace is tapped. The tap hole is opened by Oxygen lancing pipe and after tapping is completed, it is closed by clay plug. The liquid Silico-manganese and the slag flow into the C.I. Pan. The slag being lighter overflow from the C.I. Pan and is taken into the sand mould. The alloy cake from C.I. Pan is removed and broken manually with hammer to required lump size. The slag produced in the process, generally free from metal, after cooling is removed by lorry to the slag dump.

Manufacturing Process Flow Chart is as below:



Cost of Project:

Particulars	Approx. value
	Rs. In Lakhs
1. Land —2.5 areas (from CSIDC)	7.00
2. Building	14.00
3. Plant & machinery	52.00
4. Electrical installations (500 KVA)	10.50
5. Misc. assets (furniture, computer etc)	1.00
6. Contingencies, Preliminary and preoperative expense	2.00
	86.50

List of plant & Machinery

Sr. No.	Particulars
1.	Submerge Electric Arc Furnace self fabricated lined with Fire Bricks and carbon tamping paste; which include: <ul style="list-style-type: none">i. Copper flexible ropesii. Copper Contact padiii. Brass connection terminalsiv. Pressure rings made of 16 MM platev. Mantles made of 8 mm platevi. Electrodes casing made of 14 gauge MS sheet Slipping devicesvii. Hydraulic system to move the electrodes
2.	Laboratory equipments <ul style="list-style-type: none">i. Chemical Laboratory Apparatusii. consisting of carbon determinates,iii. muffle furnace, hot plates,iv. chemical balance, glass, wares,v. chemicals & portable drillingvi. machines etc. (Lots)
3.	Auxiliaries: <ul style="list-style-type: none">i. Air Compressorii. Water Pumps with Motoriii. Skip Bucket for chargingiv. Pipes & Fittingsv. Monorail hoist for slag and metal handlingvi. Weighing Scale Cap. 2 MT

संलग्नक-1



The Metallic Alloys

To,
The Regional Officer
Chhatisgarh Environment Conservation Board
Kabir Nagar, Raipur(C.G.)

Dated : 30.08.19

Sub : Intimation regarding temporary maintenance shutdown of our unit – The Metallic Alloys, Siltara

Sir,

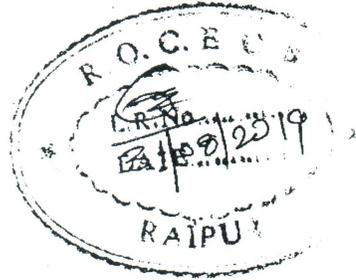
This is to inform that we are taking temporary maintenance shutdown of our unit – The Metallic Alloys, Plot No. 29, Industrial Growth Centre, Siltara, Raipur – 493111 for about 25-30 days from 31.08.19. During the shutdown process there will be some fume generation .

The above is for kind information

Thanking You
Yours Faithfully

The Metallic Alloys


Authorized Signatory





The Metallic | Alloys

To,
The Regional Officer
Chhattisgarh Environment Conversation Board,
Commercial Complex, Housing Board Colony,
Kabir Nagar,
Raipur [C.G.] 492099



Dated : 19.09.2019

Secy (R)
19/09/2019
AECB
9/

Subject: Regarding compliance of air and water consent/subsequent renewals and desired information submitted pursuant to querries raised during visit of CECB authorities on 19.09.19

Respected Sir,

The requisite information as desired is as follows –

1. We, The Metallic Alloys, Siltara are a MSME unit having obtained permission to establish from the Chhattisgarh Environment Conservation Board vide letter no. 1108 dtd 19.05.2006 for low carbon ferro alloys – 8000MT per year as per rule. By that time environment clearance is not applicable for manufacturing of Ferro Alloys; it is applicable after 14th September 2006. After establishment of the unit; we have obtained consent to operate and its further renewal as per Air and Water [Prevention and Control of Pollution] Acts. The renewal of the consent is valid up to 31.01.2020. We are complying to the stipulated consent conditions of Consent to Operate and its subsequent renewals. Copy of MSME certificate and Consent to operate enclosed as Annexure – 1 & 2
2. We have installed 1 no. of submerged electric arc furnace has been established of capacity 6 MVA.
3. We are using Manganese Ore, Dolomite and Coke as raw material for manufacturing process; where coke is used as reducing agent. The installed furnace is electrically operated. The facility of thermit process has not been established and we have not installed any furnace that consumes coke as fuel.
4. We confirm that we are not using coke as a fuel. The process of electric submerged arc furnace is electrically operated and electricity is being supplied to us by Chhattisgarh State Power Distribution Company Limited.

T.H.

Authorized Director



The Metallic | Alloys

5. For Control of Pollution from the Furnace a well efficient heat exchanger with bag filter containing 864 prescribed bags has been installed; which is attached with chimney having height of 30 meters to control the emission under permissible limits.
6. Rain Water Harvesting within premises has been installed.
7. We have done 500 no. plantation in our premises at The Metallic Alloys, Siltara and also at Khasra no. 299, 292/3-4, 294, 295/2, Block – Dharsiwa, Near JK Video Hall Sakara, Raipur (C.G.) as Annexure - 3
8. For Treatment of Domestic Effluent we have constructed Septic Tanks followed by Soak pits and no effluent remains after soak pits for further disposal. Pertaining to industrial effluent, we have implemented closed cooling circuit and no industrial effluent is being generated from the premises. Hence we are maintaining ZERO liquid discharge condition.
9. Further our production is as per excise return for which we are enclosing copy of Excise returns as Annexure – 4 to this letter; which has been submitted to Excise Department.
10. Copy of Electricity bills generated by CSPDCL during the year 2019 is enclosed herewith as Annexure – 5
11. Further we hereby like to inform your kind office that presently operation of electric submerged arc furnace is under shutdown as we have taken temporary maintenance shutdown of our unit for repair and maintenance work since 31.08.19 and intimated to your kind office as per procedure. Copy of intimation letter is enclosed herewith as Annexure – 6.

This is for your kind consideration and further necessary action please.

Thanking you,

Yours Truly,

For, The Metallic Alloys

Authorised Signatory,

Authorised Signatory

Encl : As above